<u>प्रेस-विज्ञप्ति 3</u>

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में सीटों के संयुक्त रूप से आवंटन के लिए सहमति बनी

सीटों का संयुक्त रूप से आवंटन तथा संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण

लगभग 90 से अधिक संस्थानों (आईआईटी एवं एनआईटी सहित) के लिए इस वर्ष भी सीटों का संयुक्त रूप से आवंटन वर्ष 2017 में जून-जुलाई महीने के दौरान किया जाएगा। यह कार्य संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण 2017 द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के सहयोग से पूरा किया जाएगा। संयुक्त प्रवेश बोर्ड (आईआईटी मद्रास) तथा केन्द्रीय सीट आवंटन बोर्ड (मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर) इस प्राधिकरण के सदस्य हैं।

समझौता ज्ञापन

संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण 2017 की पहली बैठक दिनांक 29 जनवरी, 2017 को आईआईटी मद्रास में संपन्न हुई थी जिसमें जेईई (एडवान्स) परीक्षा 2017 के आयोजक संस्थान आईआईटी मद्रास के निदेशक एवं आयोजन समिति के सदस्य, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर (समन्वयक, केन्द्रीय सीट आवंटन बोर्ड 2017) के निदेशक एवं बोर्ड के सदस्य, आईआईटी गुवाहटी के निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) के अपर सचिव, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना के निदेशक के प्रतिनिधि तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के अधिकारी शामिल हुए थे।

आईआईटी मद्रास तथा मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर के मध्य संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण के माध्यम से सीटों के आवंटन के लिए विस्तृत नियम-शर्तों सहित एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये थे जिसमें तय हुआ कि संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण के तहत सभी संस्थानों में कुल अंको के कट-ऑफ मार्क तथा कक्षा 12वी के टॉप 20 पर्सेन्टाइल की अर्हता एक समान रखी जाएगी, साथ ही साथ सभी विषयों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। इसमें पंजीकरण, सीटों का आवंटन तथा संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण के कैलेण्डर से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी विचार किया गया। चूंकि इन पहलुओं पर और गंभीरता से विचार करने की जरूरत थी, अतः तय किया गया कि सीट आवंटन प्राधिकरण के कैलेण्डर तथा नियमों एवं शर्तों को अंतिम रूप देने से पहले एक बार इन पर पुनः विचार किया जाएगा।